139

find many such reports in the Western press that this and that officer, Mr. B. K. Nehru, Mr. Jha or somebody there, had been pleading for economic aid on the ground that unless you give aid India might go the China way or some other way. And this they quote in the American Senate also. I think these are material factors which the Government of India should take into account when they deal with their diplomatic personnel in other countries, especially in a country where their words are liable to be distorted in this particular manner.

Oral Answers

MR. CHAIRMAN: It seems to me that the Prime Minister has made it clear that nothing of the kind is going to happen.

मंगला बांध के निकट एक हवाई ग्रहु का निर्माण

*४. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को ज्ञात है कि पाकिस्तान सरकार काश्मीर के पाकिस्तान ढारा ग्रविहत क्षेत्र के मीरपुर िले में मंगला बांध के निकट एक बड़े हवाई ग्रड्डे का निर्माण करने जा रही है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में वास्तविक स्थिति क्या है और क्या इससे हमारे देश की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की बाशंका है ?

t [Construction of an Aerodrome near Mangla Dam

*4. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the PRTME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the Pakistan Government is going to construct a big aerodrome near Mangla Dam in the Mirpur dis'.ric. of

f[] Engl sh translation.

the Pakistan-held territory of Kashmir; and

(b) if so, what is the actual position in this regard and whether it is likely to have an adverse effect on the security of our country?]

वैदेशिक-कार्य मंत्रासय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह): (क) जो रिपोर्ट मिली हैं, उनके ग्रनुसार मंगला बांध के पास ही एक हवाई ग्रड्डा बनाया था रहा है।

(ख) इस हवाई ग्रहु के बनने से पाकिस्तान अधिकृत कार्क्सार में पाकिस्तान की सैनिक शक्ति बढ़ जायेगी और उसकी वजह से हमारी सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

tCTHE DEPUTY MINISTER m THI MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH): (a) According to available reports an aerodrome is being constructed near the site of Mangla Dam.

(b) The construction of this aerodrome will add to the military potential of Pakistan in Pakistan-occupied Kashmir and therefore could be a threat to our security.]

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या इस संबंध में कोई कायंवाहां करना भारत सरकार ने आवब्यक समझा ? अगर समझा तो क्या कायंवाही की गई ?

श्री दिनेश सिंह : हमने इस मसले को सिंवपूरिटा काउसिल के सामने रखा है और उनसे कहा है कि यह उचित नहीं है।

درست ہے کہ ہوائی ازہ ایسے جہازوں کے لئے بنایا جا رہا ہے جو صرف جنگ کے کام آ سکتے میں اگر یہ درست ہے تو کیا حکومت هلدوستان حکومت امريكة كے نوائس ميں اس مساله كو الى ہے جبکه حکومت امریکه نے همیں یہ گرنڈی دی ہے کہ پاکستان کو ایسی کوئی چیز مہیا نہیں کی جائے گی جو جلگ کے لگے هلدوستان کے خلاف استعمال کی جائے ۔

Oral Answers

141

†श्चि ए० एम० तारिकः : क्या में वजीर मपाम तात खारजा से जान सकता हं कि बना यह हहाकत है कि यह हवाई अड्डा वही कन्गी तामोर कर रही है जो मंगला डाम को बना रहो है और बना यह भी दुरुस्त है कि हराई ग्रडा रेने जडाजों के लिये बनाय जा रहा है जो सिर्फ बंग के काम आ सकते हैं ? बनर वह दुधना है तो बना हु हुनी हिन्दुस्तान हहरो अभरोका के नोटित में इत मजना को लाई है : जबकि हहतते अमरोका ने हमें यह गारण्डी दो है कि पाकिस्तान को ऐनो कोई वाग मुडेग नहों की जानेगे जो जंग के तिरे हिन्दुस्तान के बिताक इस्तेमाल की जाये ?]

श्री जवाहरलाल नेहरू : पहला हिस्सा जो सवाल का है उसका जवाव यह है कि मझे इल्म नहीं कि वही कम्पनी दो तें बातें कर रही है। हो सकता है कि यह हो। दूसरे यह कि यह हराई गड़ा खालिस लड़ाई के काम के लिये हो, लड़ाई के हवाई जहाजों के काम के लिरे हो, मुझे मालम नहीं। कोई भी हवाई बड्डा हो, जाहिर है, उससे ग्राम तौर से दो में काम हो सकते हैं और ही सकता है कि लड़ाई के लिये कुछ खास किस्म के हवाई जहाजों के लिये ज्यादा बड़े मड्डे चाहिये। बहरसूरत, किसी क़दर यह हमारे लिये चंतरे

t[] Hindi transliteration.

to Ouestions

की बात है कि ऐंने बड़े हमारी सरहद पर नहीं बल्कि हमारी जमीन पर, जो कि इस वक्त पाकिस्तान के कब्बे में है, बनावे जायें ।

भी मनावसिंह भीहान : क्यों के यह स्थान कोई व्यापारिक महत्व का नहीं है, इप्तजिये क्या हम यह समझ लें कि यह ब्यापार के लिये नहीं बल्कि फौत्री कामों के लिने ही वनाया जा रहा है ? अगर यह सही है तो नया यू॰ एत० झो० के जरिते से इस संगंध में कुछ गानकारी ठासिल की गई कि यह कितना बड़ा ए ररोड़ोन है, कि रना बड़ा नहीं है और कहा से इत्रो लिये धरवा दिया गवा है ? पाकिस्तान खुइ खर्व कर रहा है या किसा विदेशी सरकार ने उनकी इमके लिगे मदद दी है ?

श्री दिनेश सिंह : अभी जैसा वतनाया गया, यह हवाई बड्डा मंगला वांच के नजवीक बन रहा है। ममकिन है कि वहां सामान ले जाने के लिये भी इत्रहा इस्तेमाल हो । जहां तक रैंसे का सवाल है कब्जा किये हुये काश्तीर में पाकिस्तान सरकार उसको बना रहो है, और कहां कहां से उसको करता मिलता है, यह कहना जगा महिरुल है।

شرى اے - أيم - طارق : ميں یه جاتاری جاهتا من که جیسا وزیر الظم صاحب نے قرمایا ہے۔ شاید ان کو معلوم تبین ہے - انہوں نے یہ قرمایا کہ ية هوائي أوة شايد إلى لله بدايا جا رها ی که مذکلا دیم کے لئے سامان لایا جائے-یہ حقیقت نہیں ہے - منگلاڈیم ایک ايسی جگه بن رها هے جہان توانسهيونغه - کاريان اور ريل وقهره سب جا رہے ھیں - درامل سوال یہ ہے کہ یہ جو ہوائی اولا ہیں رہا ہے۔ یہ ان ہوائی اوں میں سے ایک کے جو حکومت (مویکه کی امداد سے پاکستان

142

میں اور نام نہاد آزاد کشیفر میں بذائے جا رہے ہیں - آسی سلسلہ میں ایک ہوائی اذہ گلگت میں بھی تعمیر کیا گیا ہے – یہ سب ہوائی اذے ہندوستان کی آزادی کے لئے خطرہ ہیں-ان تمام چیزوں کو مدنظر رکھتے ہوئے کیا حکومت ہندوستان نے اس سلسلہ کیا حکومت امریکہ کو مطلع کیا ہے کی یہ سب چیزیں ہو رہی ہیں - اگر کیا ہے تو اس کا جواب حکومت امریکہ

143

†शि ए० एम० तारिक : मैं यह जानकारी चाहता हूं कि जैसा वजीरे श्राजम साहब ने फरमाया है जायद उतको मात्रम नहीं है--उन्होंने यह फरमाया है कि यह हवाई अड़ा शायद इसलिये बनाया जा रहा है कि मंगला डाम के लिये सामान लाया जाय । यह हकीकत नहीं है । मंगला डाम एक ऐसी जगह बन रहा है जहां दांसगोर्ट-गाडियां ग्रीर रेल वगैरा सब-जा रहे हैं। दर प्रसल सबाल बह है कि यह जो हवाई ग्रहा बन रहा है यह उन हवाई अड्डों में से एक है जो हु हमत अमरीका की इमदाद से पाकिस्तान में और न मनिहाद आजाद काश्मीर में बनाये जा रहे हैं। इसी सिलसिले में एक हवाई छड़ा गिलगित में भी तामीर किया गया है। यह सब हवाई अड़े हिन्द्स्तान की ग्रागदी के लिये खतरा हैं। इन तमाम चीजों को महे-नजर रखते हुने क्या हुकूमते हिन्दुस्तान ने इस सिलसिले में हुकुमते अमरीका को मृतला किया है कि ये सब चीजें हो रही हैं। अगर किया है तो उसका जवाब हुकूमते अमरोका ने क्या दिया है ?]

श्री जवाहरलाल नेहरू : मुमकिन है ये वातें हों जो माननीप सदस्य ने कहीं ।

f[] Hindi transliteration.

हमने इस आम बात की तरफ अमेरिका की हु हूमत को तवज्जह कई दफा दिलाई है झौर उनका जवाब ऐसा हो मिला है कि वे नहों चाहते कोई ऐतो हमलावर बात पाकिस्ता। करे, माकूल हो या न हो। जवाब उनका यहो हुपा है।

SHRI BHUPESH GUPTA: The hon. Minister has said that the Government does not know who is supplying the fund or the building materials and so on. Since the Government do not know such things, may I know, Sir, whether they made any enquiries from the State Department of the United States of America as to whether they could throw some light on this subject?

SHRI DINESH SINGH: Probably my answer was not clearly understood. I mentioned that we do not know who all supply funds to Pakistan. We know that America has supplied funds for military aid, but -it is rather difficult to say exactly how much is spent where. That is what I have said.

SHRI BHUPESH GUPTA: I am quite clear that su h a dam could not be constructed in Pakistan or even in our country without any external assistance and equipment being imported. If that is so, then does it not stand to reason that Indian diplomatic missions abroad should make enquiries from the countries which are likely to supply such things and find out what exactly is the position, all the more so when the American diplomatic personnel here call on the External Affairs Ministry every day to find out where we are buying our planes from?

MR. CHAIRMAN: It seems to me that the Prime Minister made it clear that the matter has been represented, some sort of reply has been received and probably no further enquiry was desirable.

SHRI BHUPESH GUPTA: I would like to know what sort of reply it I was.

145 oral Answers

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: I Everyone knows, and I suppose the hon. Member has also heard of it, that Pakistan is being helped, given military aid, by the United States Government. This aid is largely used for the construction of airfields and other installations. So, one can presume with a measure of certainty that this is being done with the aid given by the United States Government. And in addition to that, the Mangla dam scheme is being helped by the World Bank. I do not know whether it is considered to be a part of the Mangla dam scheme or separately. We cannot have details of this and we cannot ask for details from the United States Government. All we can do is to express our apprehension that these things are likely to be harmful to India's interests.

SHRI BHUPESH GUPTA: Since the matter is before the Security Council and since the United States is a permanent member of the Security Council, did the Government point out to the United States that any kind of assistant e in this matter in the way they have been doing is tantamount to flouting in some respects the decisions or the resolutions of the Security Council' with regard to Kashmir?

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: We have not pointed that out.

SHRI H. V. TRIPATHI: Is there any other effort being made besides writing to the Security Council protesting against this development?

SHRI DINE3H SINGH: I am not quite sure what other efforts can be made in an area which is being occupied by another country. Since the matter is be^fore the United Nations we protested to the United Nations.

SHRI JAI NARAIN VYAS: When was this matter referred to the Security Council and what was their reaction?

SHRI DINESH SINGH: This matter was referred to the Security Council on three occasions between 1957 and 1959, and again our permanent representative mentioned it in hig speech, on the 3rd of May 1962.

SHRI JAI NARAIN VYAS: What are their reactions?

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: We do not know, Sir.

شربی اے- ایم- طارق : ابھی وزیر

اعظم صاحب نے فرمایا کہ ملکلاڈیم جو پاکستان میں بنایا جا رہا ہے وہ ورلڈ بیلک کے تحت بنایا جا رہا ہے ۔ میں سرکار سے پوچھلا چاہتا ہوں کہ مدار ورلڈ بیلک کافی تعلق ہے ا،ر ھم اس کی تعمیر میں کافی چلدہ دیتے ھیں تو ٹیا ورلڈ بیلک سے یہ معلوم گرنے کی کوشص کی گئی ہے کہ وہ منگلاڈیم کے پاس عوائی اڈہ بنا رہا ہے یا نہیں ۔

[श्री ए० एम० तारिक: ग्रभी ध्जीरे आजम सहाने फरमाया कि मंगला डाम जो पाकिस्तान में बनाया जा रहा है वहवरुड बैंक के तहत बनाया जा रहा है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि हमारा वर्ड्ड बंक से कफी ताल्नुक है ग्रीर हम उल्की तामीर में काफी चन्दा देते हैं तो क्या वर्ल्ड बैंक से यह मालूम करने की कोशिश की गई है कि वह मंगला डैन के पास हवाई ग्रडा बना रहा है या नहीं]

थी जवाहरलाल नेहरू : जी नहीं, इस तरह की बात पूछता मुनासिव नहीं समझता हूं । खास बात यह है कि मंगला डम एक बड़ो तजवीत है और उसमें बहुत काया खर्च होगा । इसको बनाने में बरड बैंक ग्रौर दूसरे मुल्क मदद कर रहे हैं । यह मालूम नहीं कि रसो काये से यह हवाई ग्रड़ा बता ा जा रहा है या कोई ग्रलग से स्कीम है । मुमकिन है उसमें से हो बनाया जा रहा हो

t[] Hindi transl.teration.